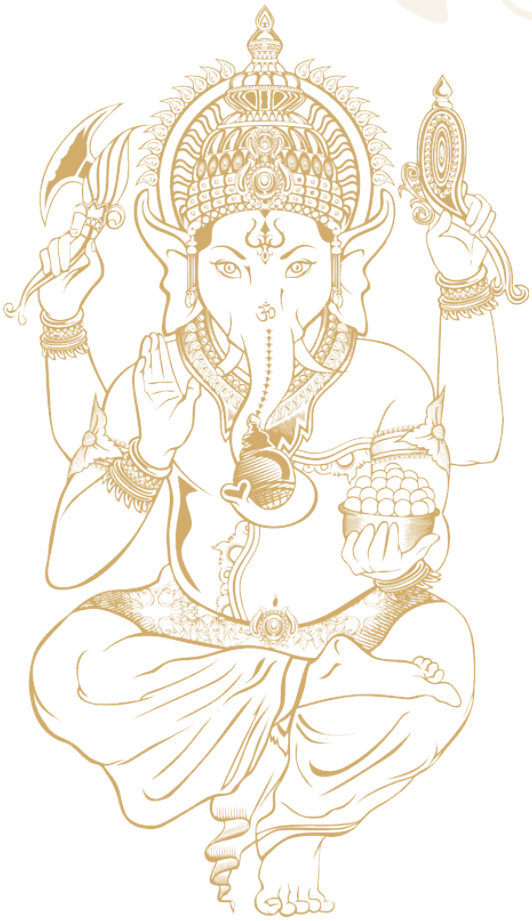

Mr.I

Ms.anchal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119869101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119869101 Date: 24/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/06/1995	जन्म तिथि	29-30/10/2000
गुरुवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 11:05:00	जन्म समय	02:45:00 घंटे
घटी 14:23:34	जन्म समय(घटी)	50:21:43 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Una
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:34	सूर्योदय	06:38:27
19:21:12	सूर्यास्त	17:38:13
23:47:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:49
सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मिथुन	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
आर्द्रा	नक्षत्र	अनुराधा
राहु	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	3
गण्ड	योग	शोभन
गर	करण	गर
छ-छत्रपति	जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
श्वान	योनि	मृग
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 3वर्ष 6मा 12दि		01:47:41	सिंह	लग्न	सिंह	22:00:13	शनि 4वर्ष 10मा 7दि	
शनि		16:29:23	वृष	सूर्य	तुला	12:53:29	केतु	
12/12/2014		17:22:59	मिथु	चंद्र	वृश्चि	13:15:40	06/09/2022	
12/12/2033		09:14:22	सिंह	मंगल	कन्या	02:55:36	06/09/2029	
शनि	15/12/2017	22:27:38	वृष व	बुध व	तुला	13:21:31	केतु	03/02/2023
बुध	24/08/2020	16:45:04	वृश्चि व	गुरु व	वृष	15:51:55	शुक्र	04/04/2024
केतु	03/10/2021	24:43:16	मेष	शुक्र	वृश्चि	19:00:43	सूर्य	10/08/2024
शुक्र	03/12/2024	29:56:46	कुंभ	शनि व	वृष	05:14:36	चन्द्र	11/03/2025
सूर्य	15/11/2025	11:18:54	तुला व	राहु व	मिथु	24:12:36	मंगल	07/08/2025
चन्द्र	16/06/2027	11:18:54	मेष व	केतु व	धनु	24:12:36	राहु	25/08/2026
मंगल	25/07/2028	06:23:21	मक व	हर्ष	मक	23:02:09	गुरु	01/08/2027
राहु	01/06/2031	01:27:04	मक व	नेप	मक	09:59:02	शनि	09/09/2028
गुरु	12/12/2033	05:07:00	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:33:19	बुध	06/09/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:49

लग्न-चलित

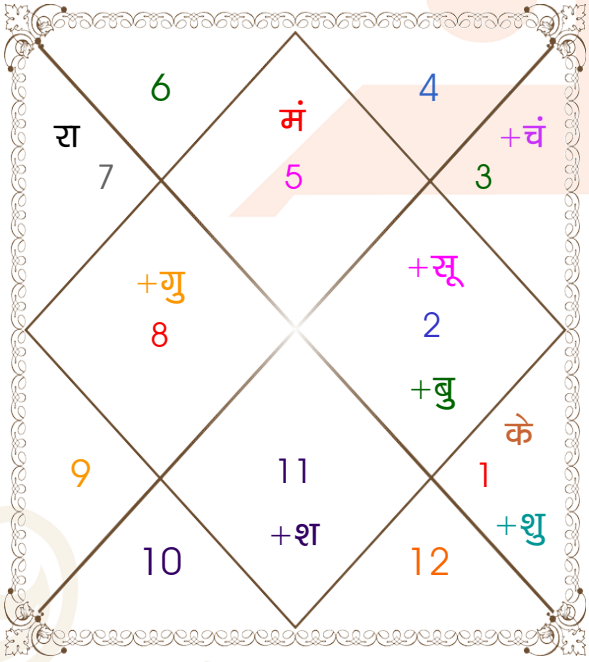

लग्न-चलित

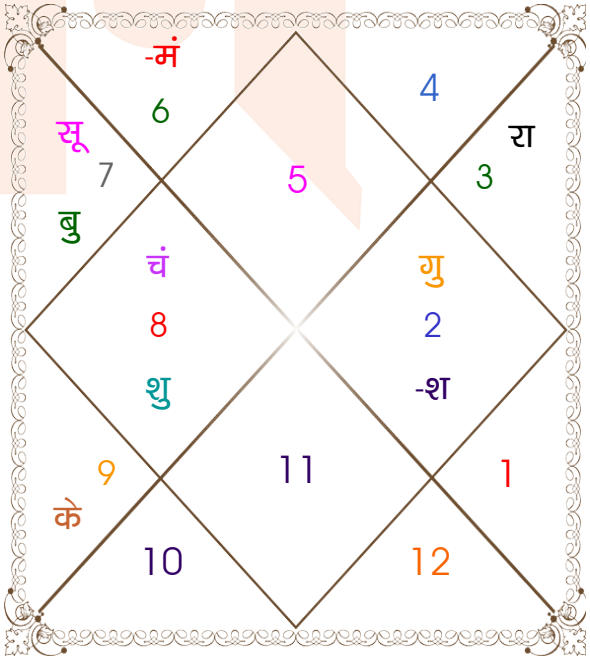

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मृग	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

कुल : **16 / 36**

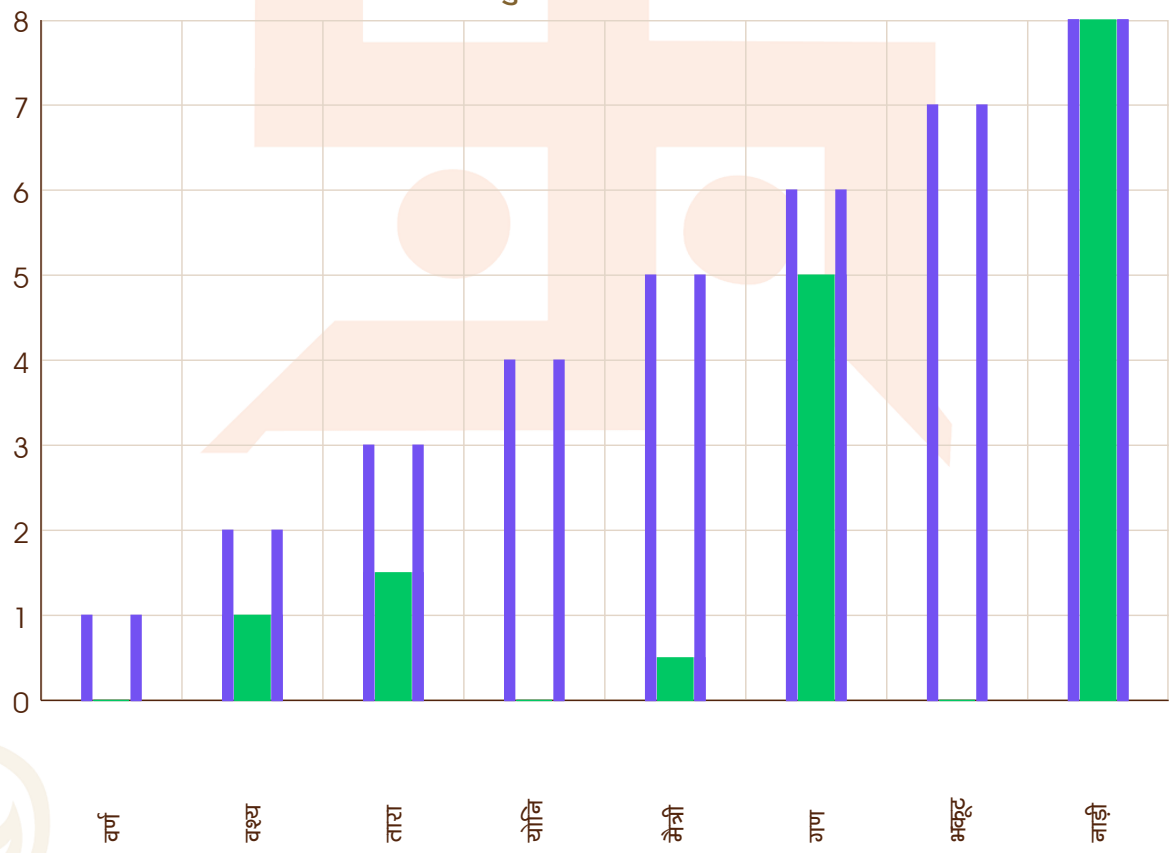

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.I का वर्ग सिंह है तथा Ms.anchal का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.I और Ms.anchal का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.I मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms.anchal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.anchal कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.I तथा Ms.anchal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.I का वर्ण शूद्र है तथा Ms.anchal का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.anchal का वर्ण Mr.I के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ms.anchal हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Mr.I के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Mr.I का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.anchal का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप Mr.I एवं Ms.anchal दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

Mr.I की तारा मित्र तथा Ms.anchal की तारा विपत है। Ms.anchal की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr.I एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms.anchal का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr.I की योनि श्वान है तथा Ms.anchal की योनि मृग है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने

के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.I का राशि स्वामी Ms.anchal के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.anchal का राशि स्वामी Mr.I के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.I का गण मनुष्य तथा Ms.anchal का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.anchal सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Mr.I व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Mr.I अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Mr.I से Ms.anchal की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Ms.anchal से Mr.I की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Mr.I लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Ms.anchal को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Mr.I की नाड़ी आद्य है तथा Ms.anchal की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के

लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.I की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Ms.anchal की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में शत्रुता तथा असमानता का भाव रहता है। अतः Mr.I और Ms.anchal के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी तथा आपसी मतभेद एवं विवाद उत्पन होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Mr.I की राशि का स्वामी बुध तथा Ms.anchal की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति सुखद नहीं कहीं जा सकती है। ऐसी स्थिति में Mr.I और Ms.anchal एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा दोषों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे संबधों की कटुता में वृद्धि होगी। अतः यदि किंचित बुद्धिमता पूर्वक स्थितियों का Mr.I और Ms.anchal अवलोकन करें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

Mr.I और Ms.anchal की जन्म राशियां परस्पर षडाष्टक योग बनाती हैं। यह शास्त्रानुसार प्रबल भकूट दोष होता है। इसके प्रभाव से Mr.I और Ms.anchal के मध्य मतभेदों में प्रबलता होगी तथा समय समय पर विवाद आदि होते रहेंगे यहां तक कि आपस में बदले की भावनाओं का भी प्रादुर्भाव हो सकता है जिससे प्रेम संबधों की मधुरता में कटुता का भाव रहेगा तथा साथ रहने के अवसर न्यून हो जाएंगे।

Mr.I का वश्य मानव तथा Ms.anchal का वश्य कीट है। कीट तथा मानव में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता होती है। अतः Mr.I और Ms.anchal की अभिरूचियों में असमानता रहेगी। साथ ही मानसिक भावनात्मक एवं शारीरिक आवश्यकताओं में अंतर भी विद्यमान रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.I का वर्ण शूद्र तथा Ms.anchal का वर्ण ब्राहमण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भी असमानता रहेगी। Mr.I किसी भी कार्य को परिश्रम एवं गंभीरता से करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु Ms.anchal केवल शैक्षणिक क्षेत्र, शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों को करने की इच्छा रहेगी। अतः Mr.I और Ms.anchal के कार्य क्षेत्र में भी असमानता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में सुख का अभाव रहेगा।

धन

Mr.I और Ms.anchal दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.I का आद्य तथा Ms.anchal की मध्य नाड़ी में जन्म हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव से Ms.anchal को समय समय पर स्वास्थ्य संबधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके प्रभाव से साथ ही गुप्त रोग या अन्य रक्त अथवा पित संबधी परेशानियां समय समय पर उत्पन्न होंगी। इसके अतिरिक्त मासिक धर्म की अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Ms.anchal को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.I और Ms.anchal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.anchal के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.anchal को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.I और Ms.anchal बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.I और Ms.anchal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.anchal के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Ms.anchal यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Ms.anchal को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Ms.anchal को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.I के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mr.I अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mr.I का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mr.I का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mr.I तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mr.I के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।